एलर्जी

एलर्जी क्या हैं–

एलर्जी से प्रभावित व्यक्ति का इम्यून सिस्टम/रोग प्रतिरोधक प्रणाली (Immune System) सामान्य एवं तुच्छ चीजों को रिएक्ट करने लगता है जो कि नोर्मल लोगों में कोई रिएक्शन नही करते है।

एलर्जी किसे एवं क्यों होती हैं ?

सामान्यत: जिन लोगो के परिवारो में कोई एलर्जी से प्रभावित व्यक्ति होता हैं उनके बच्चों में एलर्जी के जीन्स (आनुवाशिंक गुण) होते हैं। जो कि एलर्जी उत्पन्न करने वाले वातावरण के साथ मिलकर हमारे इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक प्रणाली) में परिवर्तन लाते हैं जो कि शरीर में एलर्जी के लक्षण उत्पन्न करते हैं।

एलर्जी के लक्षण क्या हैं ?

बार बार छींके आाना, नाक से पानी आना, नाक से पानी आना या नाक का बन्द होना। बार बार खासीं या सांस मे घरघराहट या निमोनिया होना, चमडी़ पर बार बार लाल दाने, पित्ती या दापड़ होना आँखो का लाल होना या पानी होना, बार बार पेट दर्द/उल्टी/मुंह मे खुजली होना, बार बार टॉन्सिल व एडिनोईड होना आदि एलर्जी के सामान्य लक्षण हैं।

एलर्जी का निदान कैसे हो सकता हैं।

एलर्जी से प्रभावित व्यक्ति का लक्षणो के आधार पर ब्लड टेस्ट व स्किन प्रिक टेस्ट द्वारा एर्लजन का पता लगाया जाता हैं।

एलर्जी किसे एवं क्यों होती हैं ?

सामान्यत: जिन लोगो के परिवारो में कोई एलर्जी से प्रभावित व्यक्ति होता हैं उनके बच्चों में एलर्जी के जीन्स (आनुवाशिंक गुण) होते हैं। जो कि एलर्जी उत्पन्न करने वाले वातावरण के साथ मिलकर हमारे इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक प्रणाली) में परिवर्तन लाते हैं जो कि शरीर में एलर्जी के लक्षण उत्पन्न करते हैं।

इम्यून सिस्टम में परिवर्तन

सामान्य व्यक्ति में इम्यून सिस्टम का काम शरीर की रक्षा करना एवे इन्फेक्शन से लड़ना होता है। यह काम Th1 Lymphocytes के द्वारा किया जाता हैं। एलर्जिक व्यक्ति में जीन्स एवं वातावरण के प्रभाव में इम्यून सिस्टम में परिवर्तन होते हैं एवं Th1 Lymphocyte cells की जगह Th2 Lymphocyte अधिक मात्रा में होती हैं जिससे एलर्जी के लक्षण पैदा होते हैं।

क्या एलर्जी (जुकाम एवं अस्थमा) का स्थायी/परमानेन्ट इलाज संभव हैं ?

जिन लोगो में एलर्जी टेस्ट के रिजल्ट में जुकाम/खॉसी करने वाले एलर्जन की पहचान हो जाती हैं उनमे 3 से 5 साल के लिए एलर्जन इम्यूनोथेरेपी द्वारा जुकाम एवं अस्थमा का स्थायी/परमानेन्ट इलाज संभव हैं परन्तु इम्यूनोथेरेपी महंगी होने के कारण एवं लबें समय इलाज की जरुरत के कारण ज्यादातर लोग सम्पूर्ण इलाज नही करवा पाते हैं।

परन्तु जो मरीज एलर्जी टेस्ट द्वारा एलर्जन की पहचान के बाद लगातार एलर्जी स्पेशलिस्ट द्वारा सुझाये अनुसार पूरा इलाज लेते हैं उनमें एलर्जी एवं अस्थमा का स्थायी इलाज संभव हैं।

एलर्जी एवं अस्थमा के मरीजों में रिसर्च के बाद ये भी प्रमाणित हो चुका है कि इम्यूनोथेरेपी कराने से मरीज मे नई चीजो से एलर्जी उत्पन्न होना रुक जाता है, एवं मरीज के लक्षणो में आराम मिलता हैं। तथा दवा की जरुरत अत्यधिक कम हो जाती हैं।

क्या एलर्जी की जुकाम को अस्थमा बनने से रोका जा सकता है ?

एलर्जी से प्रभावित बच्चों एवं वयस्क लोगो पर किये गये शोध के अनुसार अगर कम उम्र (5-10 साल) में एलर्जी की जुकाम से प्रभावित मरीजों में इम्यूनोथेरेपी पद्धति से सम्पूर्ण इलाज होने पर इनमे भविष्य में अस्थमा होने की संभावना नगण्य हो जाती है। जो कि इम्यूनोथेरेपी के अभाव में 70-80% होती है।